# पूसा बासमती 1509 के शुरुआती भाव 2020 से मज़बूत

## पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश से लंबे दाने वाले चावल की किस्म आवक की सूचना

जल्दी पकने वाली बासमती किस्म — पूसा बासमती 1509 — के शुरुआती भाव 2020 की तुलना में भारत की कई मंडियों में मज़बूत हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की कई मंडियों से पूसा बासमती 1509 की आवक की सूचना मिली है।

https://agmarknet.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी से पता चला है कि पंजाब, हरियाणा, एम पी और यू पी में 1 से 13 सितंबर तक पूसा बासमती 1509 की कीमत 1,790 से 2,891 रुपये प्रति क्विंटल के बीच थी।

हरियाणा के कुरुक्षेत्र ज़िले की पिपली मंडी में 11 सितंबर को पूसा बासमती 1509 का उच्चतम भाव 2,891 रुपये प्रति क्विंटल दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के ग्वालियर ज़िले की डबरा मंडी में इस किस्म का न्यूनतम भाव 1,790 रुपये प्रति क्विंटल 2 सितंबर को दर्ज किया गया।

पंजाब मंडी बोर्ड से एकत्र किए गए आंकड़ों से पता चला है कि 13 सितंबर को पूसा बासमती 1509 अमृतसर, पटियाला, संगरूर और तरन तारन ज़िलों में क्रमशः 2,500-2,790 रुपये प्रति क्विंटल, 2,400-2,780 रुपये प्रति क्विंटल, 2,500-2,750 रुपये प्रति क्विंटल और 2,500-2,645 रुपये प्रति क्विंटल के दरमियान बिकी थी।

व्यापारियों ने बताया कि हरियाणा के करनाल ज़िले में पूसा बासमती 1509 का भाव 13 सितंबर को 2,400-2,890 रुपये प्रति क्विंटल के दायरे में था। यू पी की अलीगढ़ मंडी में यह 13 सितंबर को 2,200-2,350 रुपये प्रति क्विंटल के बीच बिकी।

इस बार पूसा बासमती 1509 के भाव 2020 के मुकाबले करीब 500-700 रुपये प्रति क्विंटल ज़्यादा हैं। पिछले साल, पंजाब और हरियाणा की कई मंडियों में इसकी कीमत लगभग 1,600-2,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जिससे किसानों में निराशा थी।

इस साल पंजाब और हरियाणा में पूसा बासमती 1509 की बिक्री 2,400 से 2,800 रुपये प्रति क्विंटल के बीच हो रही है। व्यापारियों ने कहा कि किसानों ने पिछले साल की तुलना में इस बार कम बासमती की बुवाई की है।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (ए पी डा) के आँकड़ों से पता चला कि भारत ने 2020-21 में 46.31 लाख मीट्रिक टन बासमती चावलों का निर्यात किया जिनकी की कीमत थी 29,849.39 करोड़ रुपये। 2019-20 में भारत ने 44.54 लाख मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात किया जिसका मूल्य 31,025.91 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2019-20 के मुकाबले 2020-21 में निर्यात की मात्रा 3.82% बढ़ी जबकि विदशों में भेजे गए बासमती चावलों की कीमत रुपयों में लगभग 3.94% घटी।

2020-21 वित्तीय वर्ष के दौरान भारतीय लम्बे, खुशबूदार चावलों के निर्यात के मूल्य में 2019-20 के मुकाबले 1,176 करोड़ रपये की गिरावट देखी गई जबकि कुल मात्रा में 1.77 लाख मीट्रिक टन की बढ़ौतरी हुई।